हमारे ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण नेटवर्क के उद्धाटन की प्रशंसा भोपाल से प्रकाशित मासिक ब्रह्मसत्य पत्रिका में जून 2008 के अंक में प्रकाशित कुछ अंश :

प्रशंसनीय प्रयास है : आधुनिक संचार माध्यमों का फायदा शहर से लेकर गांव तक के लोग उठा रहे हैं। इंटरनेट से संवाद करने की सुविधा भी गांवों तक पहुंची है। छत्तीसगढ़ के भिलाई नगर से भट्ट ब्राह्मणों के लिए विवाह वेबसाइट तथा दिल्ली के रामेश्वर नगर से भी ऐसा वेबसाइट वहां के लोगों ने तैयार किया है। पढ़ा-लिखा परिवार वैवाहिक संबंधों एवं संदेश के लिए इन वेबसाइटों का उपयोग कर रहा है। भिलाई से संचालित विवाह वेबसाइट www.bhatt brhmin.com मोबा. 09329020385 पं. अनिश भट्ट एवं श्रीमती अभिलाषा भट्ट के व्यक्तिगत प्रयासों से बनाया गया है। दिल्ली में डॉ. एस.एन. शर्मा, एस.के. शर्मा, एस.डी. भट्ट, राजीव भारद्वाज आदि के प्रयासों से वैवाहिक वेबसाइट www.bbhattbrahmin.org शुरू किया गया है। इन वेबसाइटों के शुरू होने की खबर से अन्य शहरों में भी भट्ट समाज के लोग ऐसे वेबसाइट बनाने के लिए संपर्क कर रहे हैं। सभा संगठनों अथवा व्यक्तिगत स्तर पर वेबसाइट पर पता-परिचय डायरेक्टरी तैयार की जाए तो इसका लाभ भी मिलेगा।

दिल्ली में ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण नेटवर्क का शुभारंभ

संवाद कायम करना तथा विवाह संबंध जोड़ना हुआ आसान

दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार एवं स्वजाति सेवी तथा ब्रह्मसत्य पत्रिका में मनीमैटर कालम के लेखक श्री राय तपन भारती ने रामेश्वर नगर स्थित शिव मंदिर धर्मशाला में ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण नेटवर्क का बटन दबाकर शुभारंभ करते हुए कहा कि वर्तमान समय में इसका लाभ देश-विदेश में सभी ब्रह्मभट्ट बंधओं को मिलेगा। खासकर शादी-विवाह की समस्याओं का घर बैठे ही इस वेबसाइड से निराकरण किया जा सकता है। श्री तपन जी ने वेबसाइड तैयार कर इसे मूर्तरूप देने वाले डॉ. एस.एन.शर्मा, श्रीसत्यदेव भट्ट श्री एस.के. शर्मा और श्री शुभम भारद्वाज सहित उनके सहयोगियों की तहे दिल से प्रशंसा कर उनके इस प्रयास को अनुकरणीय एवं इसे बढ़ावा देने की उपस्थित बंधुओं से अपील भी की।

श्री राय तपन भारती जी ने आधुनिक युग में वेबसाइट के महत्व, लाभ और भविष्य में इसके दूरगामी परिणामों की चर्चा करते हुए कुछ सुझाव भी दिए। आपने कहा कि इस वेबसाइट से हमारे समाज को अन्य समाज भी महत्व देंगे। आपने कहा कि इसका उपयोग हमारे समाज के युवक-युवतियों को जीवनसाथी तलाशने और इस कार्य में माता-पिता की परेशानी को दूर जरूर करना चाहिए। श्री भारती ने कहा कि वेबसाइट में खबरों तथा विज्ञापन के लिए भी जगह है, जिसका उपयोग वेबसाइट जानने वाले लोगों को करते हुए इसे अपने परिजनों को भी बताना चाहिए। वेबसाइट के प्रयोग तथा अन्य तकनीकी जानकारियों को बढ़ाने पर भी आपने सुझाव दिए। इसी अवसर पर इलाहाबाद से पहुंचे स्वजाति सेवी और भट्ट सत्ता साप्ताहिक एवं दैनिक यूनिवर्सिटी स्टूडेंट एक्सप्रेस के संपादक पं. प्रभाकर भट्ट जी ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि यह प्रयास समय की मांग है और इसका लाभ लोगों को घर बैठे मिलेगा। आपने

कहा कि इंटरनेट के माध्यम से दूरियां सिमट गई हैं। ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण नेटवर्क भी शादी-विवाह एवं अन्य संवाद संपर्कों के लिए सर्वोत्तम माध्यम बन गया है। वेबसाइट का प्रारूप बनाने वाले श्री एस.के. शर्मा जी ने वेबसाइट में डाली गई जानकारियों की सिलसिलेवार जानकारी दी। आपने कहा कि वेबसाइट पर विवाह बायोडाटा डालना नि:शुल्क होगा। श्री शर्मा जी ने अन्य वक्ताओं द्वारा सुझाव बिन्दुओं को जोड़ने का आश्वासन दिया। आपने प्रसन्नता जाहिर कर बताया कि मात्र 15 दिन में ही देशभर में लगभग 6 हजार लोगों ने ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण नेटवर्क को खोला देखा और विवाह संबंधी जानकारियां डाली हैं। यह हमारे प्रयासों की सफलता है जो हमें और आगे काम करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। वेबसाइट को तकनीकी स्वरूप देने वाले श्री शुभम भारद्वाज ने स्क्रीन बोर्ड पर विस्तार से जानकारी दी और इसके प्रयोग के उपायों को बताया। आपने बताया कि साइट पर जितने सुझाए आएंगे, उसे जोड़ा जाएगा। आयोजन के संयोजक डॉ. एस.एन.शर्मा ने कहा कि उनके मन में इसका सपना पहले से था, जिसे उन्होंने पं. एस.डी. भट्टजी, पं. एस.के. शर्मा जी, पं. शुभम भारद्वाज के सहयोग से साकार किया। आपने कहा कि उन्हें खुसी है कि इसका उपयोग कर उनकी जाति समाज के लोग लाभान्वित होंगे। इसी अवसर पर पं. एन.सी. राय जी ने वेबसाइट में अन्य जानकारियां डालने की बात कही। आपके सुझाव को हर्ष ध्वनि से स्वीकार किया गया।

भट्ट जे.के. शर्मा ने उपस्थितजनों से आग्रह किया कि वेबसाइट की जानकारी बच्चों और अपने परिजनों को भी दें, ताकि इसका प्रचार तेजी से हो। भोपाल से पहुंचे अक्षय कुमार राय ने कहा, कि यह प्रयास पहले होना चाहिए, लेकिन जब शुरू हुआ, स्वागत योग्य है, क्योंकि सारी दुनिया इंटरनेट से जुड़ती जा रही है। अन्य वक्ताओं ने भी अपनी बात कही। मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं गायत्री मंत्र के जयघोष के पश्चात स्वजाति सेवी रामनगर शाहदरा दिल्ली निवासी पं. आकाश भारद्वाज के निधन पर मौन श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन जाति सेवी पंडित सत्यदेव भट्ट जी ने किया और उपस्थित बंधुओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बसंत शर्मा, जी.पी. शर्मा, एम.के. शर्मा, राजीव भारद्वाज, के.डी. शर्मा, रामकृष्ण शर्मा, आर.व्ही. शर्मा, राजीव कुमार शर्मा, जगदीश शर्मा, बृजमोहन भारद्वाज, आर.सी. शर्मा, सतवीर शर्मा, श्याम सुंदर शर्मा, डी.एन.पांडे, शिवचंद्र शर्मा, जयशंकर शर्मा, शैलेन्द्र कुमार शर्मा, सुबोध अन्य महिला-पुरुष, युवक शामिल थे।

सौजन्य से ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण नेटवर्क
मो0–09310043853, 09891907349

धन्यवाद पत्र

15.09.2008

प्रिय अक्षय राय जी,

आपने अपने ब्रह्मसत्य के जुन माह 2008 के अंक में संपादक की अपनी बात पृष्ठ में ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण नेटवर्क की शुरूआत को न केवल प्रशंसनीय प्रयास बताया है, बल्कि पूर्ण पृष्ठ पर नेटवर्क पर हुई उद्धाटन चर्चा को फोटो सहित सराहा हैं । ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण नेटवर्क की इस प्रकाशित प्रशंसा के लिए आप धन्यवाद के पात्र हैं । हमारा यह प्रयास रहेगा कि हम भविष्य में आपकी अपेक्षाओं पर खरे उतरें । हमारी इच्छा नेटवर्क को विश्वस्तर का बनाने की है । हम आपका व श्री राय तपन भारती, प0 प्रभाकर भट्ट व अन्य गणमान्य स्वजाति बन्धुओं के तहेदिल से आभारी है, जिन्होने 29 जुन 2008 को ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण नेटवर्क के उद्धाटन समारोह में उपस्थिति दर्ज कर इसकी शोभा बढाई !

भविष्य में आपसी विचारो का आदान प्रदान की अपेक्षा करते हुए पुनः आपका आभार प्रकट करते है ।

सौजन्य से ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण नेटवर्क
मो0–09310043853, 09891907349